Q: क्षुद्रग्रह बेन्नू के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. क्षुद्रग्रह ग्रह निर्माण के मूल युग से बचे हुए प्राचीन पदार्थ हैं।
2. क्षुद्रग्रह की खोज 1999 में लिंकन द्वारा की गई थी।
3. इसका नाम फारसी देवता के नाम पर रखा गया था।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: a

व्याख्या:

- इस क्षुद्रग्रह की खोज 1999 में लिंकन नियर-अर्थ एस्टेरॉयड रिसर्च (नए टैब में खुलता है) (LINEAR) टेलीस्कोप द्वारा न्यू मैक्सिको में की गई थी और इसका नाम मिस्र की पौराणिक कथाओं के बगुले भगवान बेन्नू के नाम पर रखा गया है।
- क्षुद्रग्रह ग्रह निर्माण के मूल युग से बची हुई प्राचीन सामग्री हैं और इसमें जीवन के लिए आणविक अग्रदूत शामिल हो सकते हैं।
- इसमें यह भी कहा गया है कि वैज्ञानिकों ने क्षुद्रग्रह के टुकड़ों का अध्ययन करके बहुत कुछ सीखा है जो प्राकृतिक रूप से उल्कापिंड के रूप में जमीन पर पहुंच गए हैं।
- लेकिन यह समझने के लिए कि क्या क्षुद्रग्रहों ने 4 अरब वर्ष पहले पृथ्वी की सतह पर इन यौगिकों को पहुंचाने में कोई भूमिका निभाई थी, वैज्ञानिकों को स्थलीय संदूषकों से मुक्त, अंतरिक्ष से एक प्राचीन नमूने की आवश्यकता है।

Q: भूचुंबकीय तूफानों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. वे पृथ्वी के क्षोभमंडल पर प्रमुख विक्षोभ हैं।
2. वे तब होते हैं जब सौर हवा से अंतरिक्ष में ऊर्जा का एक बहुत ही कुशल आदान-प्रदान होता है।
3. ये तूफान सौर हवा में बदलाव के कारण उत्पन्न होते हैं जो धाराओं और प्लास्मा में बड़े परिवर्तन उत्पन्न करते हैं।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: b

व्याख्या:

- भू-चुंबकीय तूफान पृथ्वी के मैग्नेटोस्फीयर की एक बड़ा विक्षोभ है जो तब होता है जब सौर हवा से पृथ्वी के आसपास के अंतरिक्ष वातावरण में ऊर्जा का एक बहुत ही कुशल आदान-प्रदान होता है।
- ये तूफान सौर हवा में बदलाव के कारण उत्पन्न होते हैं जो धाराओं, प्लास्मा और पृथ्वी के मैग्नेटोस्फीयर के क्षेत्रों में बड़े परिवर्तन उत्पन्न करते हैं।

Q: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. लिली थॉमस बनाम भारत संघ ने आरपीए, 1951 की धारा 8(4) को रद्द कर दिया।
2. अधिनियम की धारा 8(4) को असंवैधानिक घोषित किया गया।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) केवल 1
b) केवल 2
c) 1 और 2
d) इनमे से कोई भी नहीं

उत्तर: c
व्याख्या:

- इस बात पर अब काफी चर्चा हो रही है कि क्या सेवारत विधायकों को तत्काल अयोग्यता से प्राप्त पहले के संरक्षण को बहाल किया जाना चाहिए। आरपीए, 1951 की धारा 8(4), 2013 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा लिली थॉमस बनाम भारत संघ के एक ऐतिहासिक फैसले में रद्द कर दी गई थी।
- अधिनियम की धारा 8(4) को इस आधार पर असंवैधानिक घोषित किया गया कि संसद के पास इसे अधिनियमित करने के लिए विधायी क्षमता का अभाव है।
- सर्वोच्च न्यायालय ने संविधान के अनुच्छेद 102 (और अनुच्छेद 191, राज्य विधानसभा और विधान परिषद के सदस्यों के लिए संबंधित लेख) का हवाला देते हुए कहा था कि संसद को एक सामान्य कानून बनाने के लिए अनिवार्य किया गया था, जिसमें यह निर्धारित किया गया था कि किस प्रकार की स्थिति दोनों के लिए एक व्यक्ति को अयोग्य घोषित करेगी। संसद का 'चुना जाना' और 'सदस्य होना'।

Q: वित्त विधेयक के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. बिल केंद्रीय बजट का एक हिस्सा है।
2. राष्ट्रपति की सिफारिश के बिना विधेयक को न तो पेश किया जा सकता है और न ही पेश किया जा सकता है।
3. वित्त विधेयक, धन विधेयक के रूप में, लोकसभा द्वारा पारित किए जाने की आवश्यकता है

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: d
व्याख्या:

- भारत के संविधान के अनुच्छेद 110 के अनुसार, वित्त विधेयक एक धन विधेयक है। वित्त विधेयक केंद्रीय बजट का एक हिस्सा है, जिसमें वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तावित कराधान में बदलाव के लिए आवश्यक सभी कानूनी संशोधनों को निर्धारित किया गया है।

- इस विधेयक में केंद्रीय बजट में किए गए कर प्रस्तावों के अनुसार कर से संबंधित विभिन्न कानूनों में आवश्यक सभी संशोधन शामिल हैं। वित्त विधेयक, धन विधेयक के रूप में, लोकसभा द्वारा पारित होने की आवश्यकता है। लोकसभा की स्वीकृति के बाद, वित्त विधेयक वित्त अधिनियम बन जाता है।
- वित्त विधेयक के मामले में, संविधान का अनुच्छेद 117 स्पष्ट रूप से निर्धारित करता है कि खंड (1) के उप-खंड (ए) से (एफ) से संबंधित विधेयक को राष्ट्रपति की सिफारिश के बिना पेश या स्थानांतरित नहीं किया जा सकता है। साथ ही, ऐसे प्रावधान करने वाले विधेयक को राज्य सभा में पेश नहीं किया जाएगा।

Q: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

1. गहरा महासागर मिशन
2. प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना
3. भारतमाला परियोजना

नीली अर्थव्यवस्था के विकास को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार द्वारा निम्नलिखित में से कौन सी पहल की गई है?

a) 1 और 2
b) 2 और 3
c) 1 और 3
d) 1, 2 और 3

उत्तर: a
व्याख्या:
भारत सरकार ने नीली अर्थव्यवस्था के विकास को बढ़ावा देने के लिए साहसिक पहल शुरू की है।

- सागरमाला पहल बंदरगाह आधारित विकास को बढ़ावा देती है।
- जहाज निर्माण वित्तीय सहायता नीति घरेलू जहाज निर्माण को प्रोत्साहित करती है।
- प्रधान मंत्री मत्स्य संपदा योजना मत्स्य पालन क्षेत्र के सतत और जिम्मेदार विकास के माध्यम से सक्रिय रूप से एक 'नीली क्रांति' पैदा कर रही है।
- सागर मंथन डैशबोर्ड वास्तविक समय में जहाजों को ट्रैक करता है।
- डीप ओशन मिशन ईईजेड और महाद्वीपीय शेल्फ में गहरे समुद्र के संसाधनों के साथ-साथ उनके दोहन के लिए प्रौद्योगिकी के विकास की खोज करता है।
- भारत ने तटीय क्षेत्रों के वर्गीकरण और बेहतर प्रबंधन के लिए तटीय विनियमन क्षेत्र अधिसूचना को अपनाया और पारिस्थितिकी तंत्र सहित पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील तटीय और समुद्री क्षेत्रों का संरक्षण किया।